an>

Title: Regarding river pollution in the country.

श्री गजानन कीर्तिकर (मुम्बई उत्तर पश्चिम): अध्यक्ष महोदया, जल प्रदूÂषण आज एक प्रमुख वैश्विक समस्या बन गई है। इसके लिए सभी स्तरों पर प्रयास भी चल रहे हैं। जल प्रदूÂषण केवल नदियों से ही नहीं बल्कि तालाब, झीलों, समुद्रों और भूजल के पानी के संदूÂिषत होने से भी बढ़ रहा है। देश में आज केवल गंगा की सफाई के बारे में ही चर्चा हो रही है परंतु देश में करीब-करीब सभी नदियां, नाले, तालाब गंदगी से सटे पड़े हैं। ताजमहल देखने गए पर्यटकों को अत्यंत गंदगी से भरी यमुना नदी का दीदार होता है तो हम मुम्बई वासियों को ओशिवरा, पोइसर, वालभाट, दहिसार, तानसा, तासो आदि अत्यंत गंदगी से बह रही प्रदूषित नदियों से रोज सामना करना पड़ रहा है, जिसमें कई रोग पैदा हो रहे हैं। लोग बीमार पड़ रहे हैं और पशुओं के साथ लोग भी मर रहे हैं। मानव या जानवरों की जैविक या फिर औद्योगिक क्रियाओं से जलप्रदूÂषण के कारण बीमारियां फैलती जा रही हैं। एक जानकारी के अनुसार पूरे विश्व में प्रतिदिन लगभग 14 हजार लोगों की मौत हो रही है, जिसमें 580 लोग भारत के हैं। यह डरावना सत्य है।

अध्यक्ष महोदया, मेरी सरकार से विनती है कि केवल गंगा सफाई ही जरूरी नहीं बल्कि पूरे देश में बह रही नदियों, नालों व झीलों की सफाई करने की जरूरत है। नदी-नालों व तालाबों में जमा मलबा हटाना जरूरी है। औद्योगिक इकाइयों पर सख्ती करना जरूरी है। यह कार्य युद्ध स्तर पर चलाने की आवश्यकता है। इससे सूखे की समस्या से भी निजात मिल सकती है और पेयजल की समस्या भी मिट जाएगी तथा पेड़-पौधों की संख्या बढ़ जाएगी और लोगों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार होगा। खेती की उत्पादकता बढ़ेगी और परिणामतः देश की प्रगति होगी।

माननीय अध्यक्ष : श्री रोड़मल नागर, श्री आलोक संजर, कुंवर पुष्पÂपेन्द्र सिंह चंदेल, श्री श्रीरंग बारणे, श्री पी.पी. चौधरी और श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री गजानन कीर्तिकर द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।